# संदर्भ सूची


अहमद, जे. (2008). झारखंड के आदिवासी. बंगलो रोड नई दिल्ली: नरेन्द्र जैन, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन.

Kumar S.(2013). Study of Elected Tribal Woman Representatives in Panchayati Raj Institution in India: A Case of Jharkhand. Asian Journal of multidisciplinary Studies ,1(1), 12-14. www.ajms.co.in

Gochhayat, A. (2013).Political participation of woman in Gram panchayat election in Orissa: A case study of Hindul Block in Dhenkanal District. International journal of Humanities and Social Science Invention, 2(1), 38-46. www.ajms.co.in

गवानकर, आर. (2004). "पंचायती राज में चुनी गई अनुसूचित जाति की महिला सरपंचों के बारे में अध्ययन. मुंबई: अखिल भारतीय स्वराज संस्थान.

गाथिया, जे. (2003). पंचायत से गुजरता रास्ता. सहारा समय साप्ताहिक पत्र सितम्बर.9-13

गुप्ता, के. (2012). भारतीय नारी प्रारम्भ से 2000 ई॰ तक. पटना: जानकी प्रकाशन.

चंदेल एवं चतुर्वेदी. (2012). भारत में पंचायती राज सिद्धान्त एवं व्यवहार.जयपुर,राजस्थान: अविष्कार पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.

जैन, एम. (2007). महिला ग्राम प्रधानों की स्थिति तथा पंचायत में भूमिका का अध्ययन, शोध गंगा इंफील्बनेट प्रकाशन.

नागर, शीला एवं पुनिया, आर. के. (2009). "ग्रामीण महिलाओं द्वारा पंचायती राज संस्थानो में भागीदारी. " राधा कमल मुकर्जी – चिंतन परंपरा .

पडलिया, एम. (2009). भारत में पंचायती राज व्यवस्था.दरियागंज नई दिल्ली:अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.

मेहता, सी. (2004). महिला एवं कानुन. नई दिल्ली: आशीष पब्लिशिंग हाउस.

वीर, जी. (2009). पंचायती राज व्यवस्था. नई दिल्ली:ओमेगा पब्लिकेशन.

वंदना. (1998). “उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति”. नई दिल्ली: उच्च शिक्षा पत्रिका, विश्वविदयालय अनुदान आयोग.4,583-588

वर्मा, ए. (2009). भारत में पंचायती राज. दरियागंज नई दिल्ली: ओमेगा पब्लिकेशन.

डॉ. नीलम. (2006). मध्यम वर्गीय महिलाओं की सामाजिक स्थिति. नई दिल्ली:जानकी प्रकाशन

Sahni, Shashi, Shrdha. (2009). Study on the participation of woman in Panchayati Raj institution. stud. Home comm. Sci, 3(1), 29-38.

शर्मा के. के. (2009). भारत में पंचायती राज. नई दिल्ली: विश्व भारती पब्लिकेशन.

शर्मा, आर. एवं काला, आर. (2009). भारत का राजनैतिक एवं सवैधानिक इतिहास.नई दिल्ली: विश्व भारती पब्लिकेशन.

सिह, डी. के. (2000). “रुरल वीमेन एकोनोमिक एंड पालिटिकल पारटिसिपेशन”.आगरा: विवेकानन्द एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसायटी.1,73-77

सिन्हा, एम. (2000). सर्वांगीण ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका – एक सामाजिक अध्ययन. नई दिल्ली: कुरुक्षेत्र ग्रामीण विकास मंत्रालय.

सिंह, एन. (2010). महिला राजनीति और आरक्षण.दरियागंज नई दिल्ली:ओमेगा पब्लिकेशन.

## छायाचित्र –

अध्यनित जनजाति पहाड़ी कोरवा महिला से तथ्य संकलित करते हुए शोधकर्ता

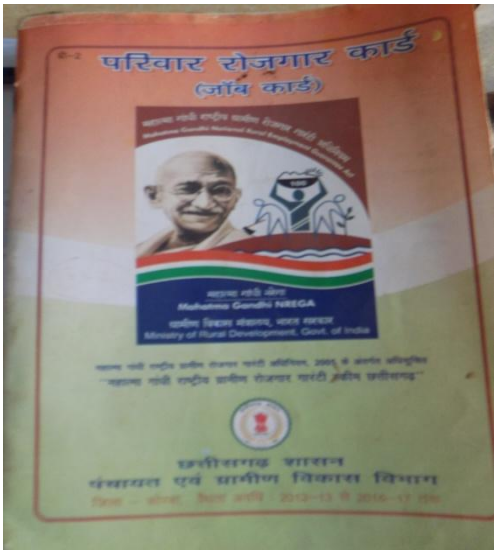


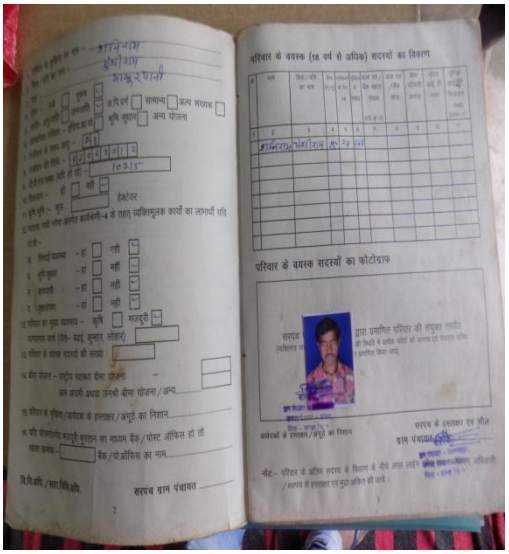


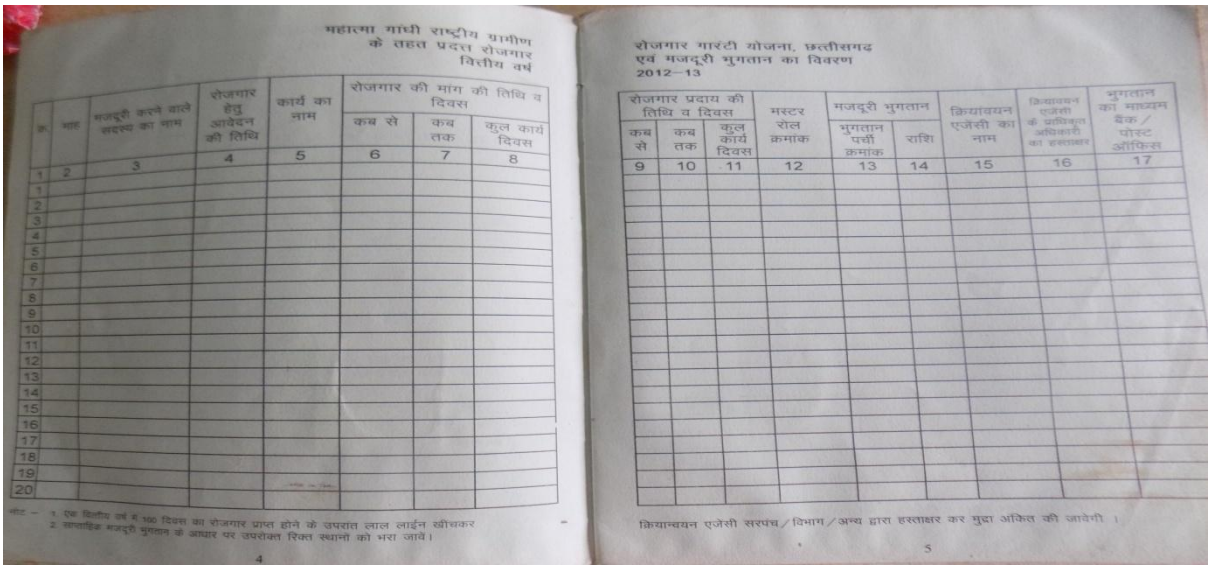


अध्यनित जनजाति पहाड़ी कोरवा का जॉब कार्ड

अध्यनित जनजाति पहाड़ी कोरवा में  कम उम्र में विवाहित महिला